

राजस्थान किसान छात्रावास बनीपार्क, जयपुर

1. **नाम व पता** — राजस्थान किसान छात्रावास बनीपार्क, जयपुर
संचालक संस्था का नाम— राजस्थान किसान छात्रावास ट्रस्ट, जयपुर
2. **इतिहास** — राजधानी जयपुर में किसान छात्रावास की कल्पना श्री रामरिख बेनीवाल ने आजादी पहले की थी। श्री बेनीवाल किसान परिवार में शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने एवं सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए शुरु से ही दृढ़ संकल्पित थे, इसलिए वे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को जयपुर शहर में उच्च शिक्षा हेतु अच्छी आवासीय सुविधा एवं शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करते हुए 1948 में जयपुर में आयोजित जाट महासभा अधिवेशन में सरदार बलदेव सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार के सामने जयपुर में किसानों के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास स्थापना हेतु बात रखी। श्री रामरिख बेनीवाल द्वारा इस कार्य हेतु समाज के प्रबुद्धजनों श्री लादुराम चौधरी, पं. ताड़केश्वर शर्मा, श्री नेतराम सिंह गौरीर, ठाकुर देशराज चौधरी, श्री नवलाराम खर्रा और सेठ हनुमान बक्ष वाबू के साथ मिलकर बनीपार्क जयपुर में राजस्थान किसान छात्रावास ट्रस्ट की स्थापना की और इस उद्देश्य से सरकार से 22000 वर्गगज जमीन अलॉट करवाकर उसके लिए निर्धारित कीमत 49000 रुपये अदा कर जमीन संस्था के नाम करवा दी। इस ट्रस्ट के प्रथम तीन ट्रस्टी चौधरी श्री रामरिख बेनीवाल, श्री सेठ हनुमान बक्स और श्री नेतराम सिंह गौरीर थे। इस ट्रस्ट को 29.12.1949 को रजि. सं.23/1949-50 के तहत रजिस्टर्ड करवाया गया। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के किसान वर्ग के ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की स्थापना रख-रखाव एवं संचालित करना तथा किसान वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करना। मुख्य ट्रस्टी श्री बेनीवाल द्वारा उक्त भूमि पर निर्माण कार्य शुरु करवाकर 1953 में निर्माण पुरा होकर इसका विधिवत शुभारम्भ कर दिया गया। यह छात्रावास कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा संचालित होता था। आजादी के बाद के दशकों में ग्रामीण परिवेश के उच्च शिक्षा के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जयपुर शहर में प्रमुख यह छात्रावास रहने की जगह थी। यहाँ रहकर उच्च अध्ययन करते हुए अनेक विद्यार्थी सरकारी सेवा में उच्च पदों पर पहुँचे। वहीं निजी क्षेत्र में भी परचम लहराया। बाद के वर्षों में इस छात्रावास के विकास के लिए श्री नाथुराम मिर्धा, श्री कुम्भाराम आर्य ने भी इस संस्था के आजीवन सदस्य बनकर एवं संचालन, चंदा एकत्र करने में पर्याप्त समय दिया साथ ही श्री रामचन्द्र चौधरी, श्री सूरजभान सिंह डूडी, श्री रामनारायण चौधरी, श्री मोरध्वज सिंह चौधरी एवं श्री चन्द्र भान सिंह चौधरी का भी संस्था की उन्नति में सहरानीय योगदान रहा है। श्री रामरिख बेनीवाल ट्रस्ट के प्रथम आजीवन सदस्य रहे, लेकिन इन्होंने जीवनकाल में ही डा. हरि सिंह एफ.आर.सी.एस. को छात्रावास का ट्रस्टी उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष बना दिया था। डा. हरि सिंह के नेतृत्व वाली नवीन कार्यकारिणी ने बैठक कर निर्णय लिया कि इस छात्रावास में रह रहे छात्रों को अन्यत्र स्थानांतरित कर इसको कन्या छात्रावास के रूप में

विकसित किया जावे। इसके लिए लगातार प्रयास करके, दो-तीन माह की मेहनत के बाद श्री अर्जुन सिंह, श्री रघुवीर सिंह आईपीएस सेवानिवृत्त के प्रयासों से पूर्व में रह रहे छात्रा को वहाँ से अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद कार्यकारिणी की दिनांक 27.05.2001 को बैठक कर आजीवन सदस्यता शुल्क 11000 रुपये तय करते हुए ट्रस्ट से समाज के समृद्ध, सेवाभावी व्यक्तियों को जोड़ने एवं कन्या छात्रावास के निर्माण हेतु चन्दा एकत्र करने का निर्णय किया गया। सभी के सहयोग से मार्च 2002 तक अच्छी धनराशि एकत्र होने से बालिका छात्रावास की नींव रखने की योजना बनाई। जुलाई 2002 तक लगभग 45 लाख से अधिक धन राशि दानदाताओं से प्राप्त हो गयी थी। इसलिए शिलान्यास का निर्णय श्री ओमप्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 25.08.2002 को उनके एवं श्री रामरिख बेनिवाल, श्री रामचन्द्र चौधरी (पूर्व राजस्व मंत्री) एवं डा. हरि सिंह द्वारा भूमी पूजन एवं शिलान्यास किया गया तथा एक किसान सभा का आयोजन भी किया गया। उक्त बालिका छात्रावास जिसका नाम " सबलायन " रखा, उसके निर्माण के लिए श्री चौटाला ने 50 लाख रुपये देकर छात्रावास निर्माण में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया।

निर्माण कार्य के तहत प्रथम चरण में भू-तल, प्रथम तल बड़ा रसोई घर, डॉयनिंग हॉल (200 विद्यार्थियों की बैठक क्षमता) मनोरंजन कक्ष, आधुनिक शौचालय, स्नान घर, प्रशासनिक भवन गेट आदि का निर्माण कार्य मार्च 2005 में पूर्ण होने पर दिनांक 22.07.2005 को कन्या छात्रावास का विधिवत शुभारम्भ किया गया। धीरे-धीरे छात्राओं की संख्या बढ़ने पर 2007 में अगली मंजिल पर 64 कमरें एवं सुविधाएँ तथा 2009-10 में ऊपरी मंजिल का निर्माण कार्य करवाया गया। अब तक छात्रावास 113 डबल बैड कमरें, रसोई घर, डॉयनिंग हॉल, पुस्तकालय सहित आधुनिक सुविधाओं युक्त छात्रावास भवन बन चुका है, जिसमें 225 छात्राओं के रहने की उत्तम व्यवस्था है। जहाँ ग्रामीण परिवेश की छात्राएँ अनुशासित वातावरण में बहुत कम दर में शिक्षण एवं आवासीय सुविधाओं का लाभार्जन कर रही हैं।

किसान कौम हित चिन्तक, दानवीर चौधरी रामरिख बेनिवाल के द्वारा रोपा हुआ यह पौधा वर्तमान में वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। आप उनके द्वारा इस छात्रावास की शुरुआत से लेकर वर्तमान स्वरूप तक पहुँचने में किये गये अतुलनीय योगदान को चिरस्थायी बनाते हुए नवनिर्मित कन्या छात्रावास भवन का नामकरण "श्री रामरिख बेनिवाल भवन" किया गया है, जिसके वे पूर्वतः हकदार थे। राजस्थान किसान छात्रावास से अध्ययनकर अनेक बालिकाएँ अपने-अपने क्षेत्र में नाम कमा रही हैं एवं छात्रावास सुचारु ढंग से संचालित होकर ग्रामीण बालिकाओं के भविष्य निर्माण में सहभागी बन रहा है।

3. कार्यकारिणी – अध्यक्ष कार्यकाल –

1. श्री रामरिख बेनिवाल 1949–2003
2. श्री हरि सिंह 2003 –
3. श्री विद्याधर सिंह

प्रथम कार्यकारिणी – पुस्तक से

1. श्री रामरिख बेनिवाल – अध्यक्ष एवं ट्रस्टी
2. श्री लादूराम चौधरी – उपाध्यक्ष
3. श्री नेतराम सिंह गौरिर – सचिव
4. श्री ताड़केश्वर शर्मा – महासचिव

वर्तमान कार्यकारिणी –

1. श्री विद्याधर चौधरी – अध्यक्ष एवं ट्रस्टी
2. श्री धर्मपाल सिंह – सचिव एवं ट्रस्टी
3. श्री दिलीप कुमार चौधरी – कोषाध्यक्ष एवं ट्रस्टी
4. श्री प्रेम प्रताप सिंह – उपाध्यक्ष

4. भौतिक संसाधन –

5. दानदाता सूची –